

पाठ - लंका विजय

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: लंका में हनुमान पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-11 अ/१ विषय वस्तु- :- लंका में विजय उपविषय वस्तु :- अ)सतर्कता आ) आत्मजागरूकता इ)वीरता , साहस पाठ्येतर विषय वस्तु *सूची निर्माण *विश्लेषण क्षमता *चर्चा *सचित्र प्रस्तुति *संवाद विधा	विद्यार्थी :- अ१)विभीषण के द्वारा बताई गई सावधानियों से परिचित हो सकेंगे । अ२) विभीषण के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे । आ१)रावण के भय से अवगत हो सकेंगे । आ२)रावण के बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे । इ) श्री राम के वीरतायुक्त गुणों की कक्षा में चर्चा कर सकेंगे ।	विद्यार्थी :- अ१) रावण और विभीषण के बीच संवाद कर सकेंगे । अ२)रावण से सम्बंधित कहानियों का संकलन कर सकेंगे । आ१)रावण के अवगुणों को सूचीबद्ध कर सकेंगे। आ२))रावण के अवगुणों को जानकर अपने में नैतिक मूल्यों को विकसित कर सकेंगे । इ) श्री राम के गुणों की प्रस्तुति तैयार कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न ।

क्रियाविधि:-पोस्टर निर्माण से सम्बंधित ।

और प्रगति

कक्षा :- छह

माह- जनवरी

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- (परिशिष्टसंख्या :-11अ/१) काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि (परिशिष्टसंख्या :-11अ/२) अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विराम चिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश की व्याख्या का प्रयास करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-11 अ / 3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र परिशिष्टसंख्या :-11अ / 4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे :- (परिशिष्टसंख्या :-11आ/१) काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे। (परिशिष्टसंख्या :11आ/२) विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे । विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-11 आ / 3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे।परिशिष्टसंख्या 11 आ/ 4	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र 1 कार्यपत्र ,क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठन विधि,२.उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४.व्याख्या विधि ५.व्यास

अंत:विषय सम्बन्ध :ऐतिहासिक ज्ञान ,प्रकृति ज्ञान , कला ज्ञान तथा कर्तव्य बोध ।

विद्यालयीय भवन :- विद्यालय के कला कक्ष में पोस्टर का निर्माण करेंगे ।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उपप्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

कक्षा -छह (हिंदी पूरक पुस्तक बाल रामकथा)

पाठ 11 - लंका विजय

परिशिष्टसंख्या:-11

पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या 11 अ/-1

संभावित उत्तर

- प्र.1- सीता कहाँ बैठी थी ? अशोक वाटिका में ।
- प्र.2- राम ने सीता को क्या भेंट दी ? एक अँगूठी ।
- प्र.3 हनुमान किस पर्वत पर गए ? महेन्द्र पर्वत ।
- प्र.4- त्रिजटा कौन थी ? वह लंका की राक्षसी थी ।

कथन:- आइए इस पाठ “लंका विजय ” को पढ़ कर जानते हैं कि श्री राम ने लंका पर विजय किस प्रकार प्राप्त की ।

काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -11 अ/2

- *कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।
- *प्रत्येक समूह पाठ के एक निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।
- *समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।
- *अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -11अ/3

- *कक्षा के विद्यार्थियों को आठ -आठ के समूहों में विभाजित किया जाएगा ।
- * प्रत्येक समूह को लंका पर विजय पाने में जिन व्यक्तियों ने अपना योगदान दिया उन पर आधारित एक पोस्टर निर्माण करने को कहा जाएगा । यही प्रक्रिया हर समूह के साथ दोहराई जाएगी ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देगी । अभ्यास हेतु कार्यपत्र परिशिष्ट संख्या 11 अ / 4

कार्यपत्र

पाठ: लंका विजय

(पोस्टर निर्माण)

विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : नव्य रचना

अनुक्रमांक:

प्र 0 1. भारतीय इतिहास से कुछ ऐसी कहानियों के नामों का उल्लेख कीजिए जिनमें यह दर्शाया गया हो कि बुराई पर सदा अच्छाई की जीत होती है ।

